जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 अंक-25 जयपुर, सोमवार, 6 जुलाई, 2026 वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) पृष्ठ संख्या 4

पचपदरा रिफाइनरी और जयपुर मेट्रो फेज-2 राजस्थान की प्रगति में मील का पत्थर साबित होंगे -रामलाल शर्मा

जयपुर (हमारा वतन)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाड़मेर के पचपदरा में आयोजित भव्य समारोह में रिफाइनरी राष्ट्र समर्पण एवं विभिन्न ऐतिहासिक विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम का चौमूं विधानसभा क्षेत्र में सीधा प्रसारण देखा गया। क्षेत्र के उदयपुरिया मोड स्थित यूईएम यूनिवर्सिटी और नगर परिषद परिसर चौमूं में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री का ओजस्वी संबोधन सुना। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के साथ ही चौमूं में उपखंड स्तरीय 'ब्लॉक स्तरीय रोजगार मेला उत्सव-2026' का भी आयोजन किया गया। उपखंड अधिकारी आशीष शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव के दौरान पूर्व विधायक रामलाल

शर्मा ने उपखंड के 358 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। सरकारी सेवा के नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। युवाओं और उनके परिजनों ने इस पारदर्शी और त्वरित भर्ती प्रक्रिया के लिए राज्य व केंद्र सरकार का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान पचपदरा रिफाइनरी के राष्ट्र समर्पण और जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना के शिलान्यास को राजस्थान के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया।

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राजस्थान में विकास कार्यों को एक नई और अभूतपूर्व गति मिल रही है। पचपदरा रिफाइनरी और जयपुर मेट्रो फेज-2 जैसी विशाल परियोजनाएं न केवल प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देंगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर भी सृजित करेंगी। ये परियोजनाएं आने वाले समय में प्रदेश के समग्र विकास में रीढ़ की हड्डी साबित होंगी।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं और आमजन ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ केंद्र सरकार की नीतियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने संकल्प लिया।

इस गरिमामयी अवसर पर तहसीलदार विजयपाल विश्नोई, नायब सुरेश देवत, सीबीईओ कृपानिधि शर्मा, गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया, पूर्व प्रधान महेश मीणा, पूर्व चेयरमैन आशीष दुसाद, पूर्व चेयरमैन नानूराम सैनी, समाजसेवी मुकेश सैनी, भाजपा नेता अरविंद यादव, बनवारी शर्मा, गोपाल डेनवाल, नाथूराम जाट, अंग्रेज यादव, सांवरमल यादव सहित क्षेत्र के अनेक प्रमुख पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वन महोत्सव पर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बिझौली (हमारा वतन)। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिझौली में वन महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के चौथे दिन विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक डॉ. अशोक पाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वन भारतीय पर्यावरण संतुलन, आर्थिक स्थिरता तथा देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के आधार हैं। उन्होंने बताया कि वन जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने, मिट्टी के कटाव एवं बाढ़ की रोकथाम, पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने, जैव विविधता के संरक्षण तथा मिट्टी एवं जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक सुधीर सैनी ने किया। इस अवसर पर अरसलान, वसीम, सुधीर, फिराजा, रितिक, वंश, सोनम, शबनम, नवेद, नेहा, खुशी, मुस्कान, पायल एवं आफरीन सहित अनेक विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूक रहने और दूसरों को भी प्रेरित करने के संकल्प के साथ हुआ।

राजस्थानी सिनेमा दिवस 17 जुलाई को मनाने का निर्णय

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थानी फिल्म इंडस्ट्री जल्द ही नयी उंचाइयों को छुएगी। इसे और अधिक संगठित और सशक्त बनाने के लिए, राजस्थान के निर्माता-निर्देशकों ने मीटिंग कर एक बड़ा फैसला लिया । सभी ने सर्व सम्मति से हर साल 17 जुलाई को राजस्थानी सिनेमा दिवस मनाने का निर्णय लिया । डायरेक्टर लखविन्द्र सिंह ने बताया कि राजस्थानी सिनेमा की नई पहचान और बेहतर भविष्य की ओर यह हमारा पहला कदम है। हम सब एकजुट हैं और आने वाले समय में राजस्थानी फिल्म जगत में बड़े सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।जल्द ही इस दिवस की रूप-रेखा और आयोजनों की जानकारी अनाउंस की जाएगी।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम में संशोधन को मंजूरी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती

नई दिल्ली (हमारा वतन)। केंद्र सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और खादी एवं ग्राम उद्योग क्षेत्र का आधुनिकीकरण करने के उद्देश्य से खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) अधिनियम, 1956 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य अधिनियम को वर्तमान नीतिगत ढांचे के अनुरूप बनाना, संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करना तथा ग्रामीण उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना है।

सरकार के अनुसार संशोधन के जरिए केवीआईसी अधिनियम को समकालीन आर्थिक और ग्रामीण विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य समावेशी और सतत ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, ग्रामीण उद्यमों को औपचारिक स्वरूप देना तथा घरेलू और वैश्विक बाजारों में खादी एवं ग्राम उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना है।

'ग्रामीण क्षेत्र' की परिभाषा में होगा बदलाव- प्रस्तावित संशोधनों के तहत 'ग्रामीण क्षेत्र' की परिभाषा को विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के प्रावधानों के अनुरूप किया जाएगा। इससे राष्ट्रीय ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा और अधिक क्षेत्रों को इसका लाभ मिल सकेगा। सरकार ने प्रत्येक कारीगर या श्रमिक के लिए निर्धारित पूंजी निवेश की सीमा को भी बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। इसे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम के तहत सूक्ष्म उद्यमों के लिए निर्धारित निवेश सीमा के अनुरूप किया जाएगा। इससे ग्राम उद्योगों को एमएसएमई क्षेत्र के विभिन्न लाभों तक पहुंच आसान होगी।

ब्रांडिंग, निर्यात और डिजिटलीकरण पर रहेगा फोकस-

संशोधनों में खादी एवं ग्राम उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए ब्रांडिंग, निर्यात, नवाचार, मानकीकरण, डिजिटलीकरण और भौगोलिक संकेतक (जीआई) संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार का मानना है कि इससे देश और विदेश दोनों बाजारों में खादी एवं ग्राम उद्योगों की पहचान और पहुंच मजबूत होगी।

प्रस्ताव के तहत आयोग की संरचना को अधिक समावेशी बनाया जाएगा। इसमें महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, केंद्र सरकार और महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान (एमजीआईआरआई) के प्रतिनिधित्व को बढ़ाया जाएगा। साथ ही केंद्र सरकार को नए ग्राम उद्योगों को अधिसूचित करने का अधिकार भी दिया जाएगा, ताकि उभरते आर्थिक अवसरों और नई तकनीकों को समय पर शामिल किया जा सके।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय संशोधित प्रावधानों को केवीआईसी के क्षेत्रीय कार्यालयों, राज्य खादी एवं ग्राम उद्योग बोर्डों (केवीआईबी), खादी संस्थानों, ग्राम उद्योग संस्थानों और उद्यमियों के मौजूदा नेटवर्क के माध्यम से लागू करेगा। अधिनियम लागू होने के बाद मंत्रालय कार्यशालाओं, सेमिनारों और जनजागरूकता अभियानों के जरिए संशोधित प्रावधानों की जानकारी भी देगा।

ग्रामीण रोजगार और उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा- सरकार के अनुसार इन संशोधनों से खादी एवं ग्राम उद्योग क्षेत्र को वित्त, प्रौद्योगिकी और बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी। साथ ही नवाचार, मूल्यवर्धन, ग्रामीण उद्यमिता और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। इससे विनिर्माण, सेवा और व्यापार क्षेत्रों में ग्राम उद्योगों की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी तथा समावेशी ग्रामीण आर्थिक विकास को गति मिलेगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि संशोधनों के क्रियान्वयन से जुड़ी जागरूकता और संचार गतिविधियां मंत्रालय के मौजूदा बजटीय प्रावधानों के भीतर ही संचालित की जाएंगी। इसके लिए कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह प्रस्ताव किसी नई योजना की शुरुआत नहीं है, बल्कि केवीआईसी अधिनियम, 1956 के वैधानिक ढांचे को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने का प्रयास है।

पंडित विश्व मोहन भट्ट ने किया वरिष्ठ नागरिक कलाकार सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (हमारा वतन)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की स्वायत्त संस्था संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली तथा राजस्थान महाविद्यालय, जयपुर (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से) आयोजित प्रतिज्ञ कार्यक्रम में विश्वविख्यात मोहन वीणा वादक एवं पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट ने अपनी मनोहारी संगीत प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम के उपरांत भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया, डायरेक्टर, सेंटर फॉर पब्लिक अवेयरनेस एंड इनफार्मेशन द्वारा आयोजित किए जा रहे वरिष्ठ नागरिक कलाकार सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने बताया कि हिन्दी दिवस, 14 सितम्बर 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले इस

राष्ट्रीय सम्मान समारोह में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के भारतीय कलाकारों को, जो गायन, वादन एवं नृत्य के क्षेत्र में निरंतर साधना कर रहे हैं, सम्मानित किया जाएगा। समारोह का उद्देश्य वरिष्ठ कलाकारों की आजीवन साधना को सम्मान देना, उनके अनुभवों को समाज के समक्ष लाना तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति प्रेरित करना है। पंडित विश्व मोहन भट्ट ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वरिष्ठ कलाकार हमारी सांस्कृतिक विरासत के संवाहक हैं। उनका सम्मान करना समाज का नैतिक दायित्व है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ भी प्रदान कीं।

इस अवसर पर उपस्थित कलाकारों, शिक्षाविदों एवं संगीत प्रेमियों ने इस अभिनव आयोजन को भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी पहल बताया।

ये सूरज से यारियाँ महँगी पड़ेंगी

ये सूरज से यारियाँ महँगी पड़ेंगी,
ये काँटों की क्यारियाँ महँगी पड़ेंगी।
हमें तो आदत है तड़प में जीने की,
तुम्हें ये दूरियाँ मगर महँगी पड़ेंगी।
छिन जाएगा दिल का सुकून सारा,
चैन बाज़ार से भी खरीद न पाओगे।
जो लगा है मर्ज़ हमें, उसका पता है,
मगर उसकी दवाइयाँ महँगी पड़ेंगी।
अब तक सुहाना रहा है ये सफ़र,
लम्हों को तुम सँभालकर रखना मगर।
रातों के सफ़र में अँधेरा घना है,
चाहोगे रोशनी, तो वह महँगी पड़ेगी।
क़यामत में नदियाँ उलटी बहेंगी,
दहशत से काँपेगा मंज़र ये सारा।
संभलकर निकलना कल की डगर पर,
नज़रों की शराफ़त महँगी पड़ेगी।
अपना सफ़र तो इतना ही, वेणु,
बस साथ है घड़ियों की टिक-टिक।
जा तो रहे हो कदमताल करते,
तुम्हें ये दूरियाँ मगर महँगी पड़ेंगी।

विनोद शर्मा 'वेणु' सीकर

अजय चौहान बने राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष

जालोर (हमारा वतन)। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ ने संगठन विस्तार करते हुए बड़ा निर्णय लिया है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष शेरसिंह यादव ने संरक्षक गजेन्द्र सिंह राठौड़ से विचार-विमर्श के बाद जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, ग्रामीण उपखण्ड भीनमाल में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत अजय चौहान को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

प्रदेशाध्यक्ष शेरसिंह यादव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह नियुक्ति संघ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संगठन हित में की गई है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष अजय चौहान से अपेक्षा की गई है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए संघ की गतिविधियों को और अधिक मजबूत करने में योगदान देंगे।

नियुक्ति पर अजय चौहान ने प्रदेशाध्यक्ष शेरसिंह यादव, संरक्षक गजेन्द्र सिंह राठौड़ सहित संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

फ़ैल सिस्टम पर आस्था भारी: पूर्व विधायक प्रत्याशी शर्मा ने पालकी से करवाए दादाजी को सामोद वीर हनुमान जी के दर्शन

चौमूं (हमारा वतन)। चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत्त मेलनर्स गोपी राम बलेसरा के 81वें जन्मदिन पर बुजुर्गों के प्रति आदर और समर्पण की एक बेहद प्रेरक मिसाल सामने आई है। चौमूं के पूर्व विधायक प्रत्याशी रविकांत शर्मा के दादाजी ने वीर हनुमानजी के दर्शन की इच्छा जतायी।

इस धार्मिक इच्छा का सम्मान करते हुए उनके पौत्र और पूर्व विधायक प्रत्याशी रविकांत शर्मा के नेतृत्व में युवाओं की टोली ने सामोद पर्वत की लगभग 1,100 कठिन और दुर्गम सीढ़ियों की चढ़ाई पालकी के माध्यम से पूरी करवाकर वीर हनुमानजी के दर्शन करवाए ।

रविकांत शर्मा ने बताया कि अपनों के इस साथ से दादाजी के चेहरे पर तैरती खुशी की मुस्कान और बाबा के दरबार में उनका अटूट श्रद्धाभाव, आज के आधुनिक समाज के लिए पारिवारिक मूल्यों और उच्च संस्कारों की एक

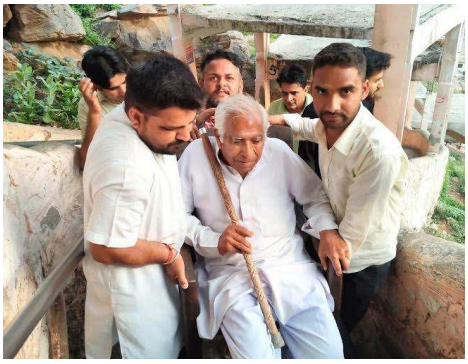

अनुपम सीख है। अगर रोपवे चालू रहता तो हमारे दादाजी को आसानी से दर्शन हो सकते थे। इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में मास्टर रूडमल शर्मा, समाजसेवी राकेश धनवालिया, विमलेश मक्की, अनुराग शर्मा, नीरज शर्मा, पीसी मीणा, रमेश शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा और अभिषेक शर्मा ने अपना योगदान दिया।

जयपुर हेल्थकेयर हॉस्पिटल में हुआ बिना ऑपरेशन रीढ़ की हड्डी, कमर का सफल इलाज

चौमूं (हमारा वतन)। शहर के जयपुर रोड स्थित जयपुर हेल्थकेयर हॉस्पिटल में पतालियों की ढाणी ग्राम मोरीजा निवासी श्रवण कुमार बागड़ा पुत्र ग्यारसी लाल शर्मा कीं रीड़ की हड्डी कमर का बिना ऑपरेशन सफलता पूर्वक इलाज किया गया।

जयपुर हेल्थकेयर हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर आर के सैनी ने बताया कि मरीज़ के 4-5 साल से कमर से लेकर दोनों पैरो में भयंकर दर्द था जिस वजह से ये चल फिर पाने में भी असमर्थ था। एम आर आई रिपोर्ट में उनके L4L5, L5S1 डिस्क की समस्या थी जिससे इनकी कमर से पैर में आने वाली नस 90प्रतिशत दबी हुई थी जिसकी

वजह से पैरो में तेज दर्द ,झंझनाहट व सुनापन था, जिसका हम ने बिना ऑपरेशन रोबोटिक डी कमप्रेशन थेरेपी, फिजियोथैरेपी, आयुर्वेदिक थेरेपी,पंचकर्म द्वारा सफलतापूर्वक इलाज किया जिसके बाद अब मरीज़ बिना किसी दर्द के अपने आप चल फिर पा रहा है।

डॉक्टर सैनी ने बताया की यह थैरेपियां लकवा ,जोड़ रोग ,रीढ़ की हड्डी ,कमर ,घुटने के दर्द में काफ़ी ज्यादा कारगर है, इससे हम ऑपरेशन से बच सकते हैं। इलाज के दौरान महेंद्र, दीपक ,अंकुश ,मनीषा ,सरोज ,तनीशा आदि स्टाफ का सहयोग रहा।

खंडहर (कविता)

खंडहर बचे हुए हैं,इमारत नहीं रही ।
अच्छा हुआ कि सर पर कोई छत नहीं रही।
हमने तमाम उम्र अकेले में सफर किया है।
हम पर किसी खुदा की इनायत नहीं रही।
मेरे चमन में कोई नशेमन नहीं रहा।
या यूं कहो कि बर्क की दहशत नहीं रही।
हिम्मत से सच कहो तो बुरा मानते हैं लोग।
रो -रो के बात कहने की आदत नहीं रही।
सीने में जिंदगी के अलामत हैं अभी
गो जिंदगी की कोई जरूरत नहीं रही।
खंडहर बचे हुए हैं की इमारत नहीं रही।
अच्छा हुआ की सर पर कोई छत नहीं।
देश के हालात और और नेताओं की
नीयत का भरोसा नहीं रहा ।
हर पैसे वाला अपने से छोटा पैसे
वाला ढूंढ लेता है शोहरत दिखाने को ।
खंडहर बचे हुए हैं, इमारत नहीं रही
अच्छा हुआ की सर पर कोई छत नहीं रही।

आरके गुर्जर
चौमूं ,जयपुर

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

जॉब्स

1. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद सीईटी खातक, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 2 अगस्त 2026
2. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद- सीईटी 10+2, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 23 जुलाई 2026
3. इसरो, पद टेक्निकल असिस्टेंट व अन्य, पद संख्या 26, अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026
4. यूपीपीएससी, पद पीसीएस, पद संख्या 500, अंतिम तिथि 27 जुलाई 2026
5. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद टेक्नीशियन, पद संख्या 6557, अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026
6. आईबीपीएस, पद प्रोबेशनरी ऑफिसर/मैनेजमेंट ट्रेनी, पद संख्या 6715, अंतिम तिथि 21 जुलाई 2026
7. डीएसएसएसबी, पद विभिन्न पोस्ट, पद संख्या 1979, अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026
8. नेशनल बोर्ड का एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज, पद स्टेनोग्राफर, जूनियर असिस्टेंट व अन्य, पद संख्या 53, अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026

बॉलीवुड चटकारा

पेड पालकी विवाद निर्देशक और लीड एक्ट्रेस ने सतेंद्र सोनी के आरोपों को बताया गलत, कहा- हमारे पास हर बात के सबूत हैं

पेड पालकी को लेकर अभिनेता सतेंद्र सोनी और फिल्म की टीम के बीच शुरू हुआ विवाद नया मोड़ ले चुका है। पहले जहां सतेंद्र सोनी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर फिल्म के निर्माता-निर्देशक पर मेहनताना नहीं देने, मानसिक प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। अब फिल्म के निर्देशक पुष्पेंद्र सिंह और लीड एक्ट्रेस प्रगति चौहान ने सामने आकर सफाई दी है। दोनों ने मीडिया से बातचीत में सतेंद्र के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि उनके साथ किसी तरह की मारपीट, बदसलूकी या गलत व्यवहार नहीं हुआ। उनका कहना है कि उनके पास अपनी बात साबित करने के लिए दस्तावेज और अन्य सबूत मौजूद हैं और वे इस मामले में कानूनी कार्रवाई भी करेंगे। मीडिया से बातचीत में निर्देशक पुष्पेंद्र सिंह ने कहा, सतेंद्र सोनी के सभी आरोप पूरी तरह गलत हैं। फिल्म की पूरी टीम ने उनको वही सम्मान और सुविधाएं दीं, जो किसी भी कलाकार को दी जाती हैं। फिल्म के लिए तय समझौते के अनुसार, सतेंद्र को पहले कुल भुगतान का 15 प्रतिशत एडवांस दिया जाना था। उनके हिस्से में 45 हजार रुपए बनते थे, लेकिन टीम ने उन्हें 50 हजार रुपए एडवांस दिए। बाकी रकम तय शर्तों और तय समय के अनुसार दी जानी थी।पुष्पेंद्र सिंह ने कहा, शूटिंग के चौथे और पांचवें दिन से सतेंद्र सोनी ने पूरी पेमेंट की मांग शुरू कर दी और कहा कि अगर उन्हें पूरा पैसा नहीं मिला तो वे शूटिंग नहीं करेंगे। मैंने सतेंद्र को समझाया कि अगली पेमेंट की तारीख अभी नहीं आई है और भुगतान तय समय पर कर दिया जाएगा। एक दिन समझाने के बाद उन्होंने शूटिंग की, लेकिन अगले ही दिन फिर वही स्थिति बन गई।

'ऑटिज्म बीमारी नहीं, समझ और अपनापन चाहिए', ईशा सिंह ने समाज की सोच पर उठाए सवाल

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो जूही मुई को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की जूही की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।ईशा सिंह ने कहा, ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है। अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है।

आकांक्षा रंजन का अनप्रिडिक्टेबल खेल जारी, 'इक्का' के साथ फिर करेगी सरप्राइज

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है।हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर – डॉ. गर्गी – का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज़-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नज़र आएंगी – जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।आज रिलीज़ हुआ 'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज़्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था।

इस मानसून पकौड़ों के साथ सर्व करें ये स्वादिष्ट चटनी

बरसात पकौड़ा, चाय और चटनी के कॉम्बिनेशन का मौसम होता है। ऐसे में इस मानसून पकौड़ो के साथ इन तीन हेल्दी एंड टेस्टी चटनी को सर्व करें। तैयार कैसे करनी हैं, हम बता देते हैं। चटनी का इस्तेमाल व्यंजनों के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। खासकर बारिश चाय, पकौड़ी और चटनी के कंबीनेशन का मौसम होता है। ऐसे में स्वादिष्ट चटनी के साथ बारिश में बैठकर पकड़ो का मजा लेने की बात ही कुछ और है। **1. पुदीना और धनिया के हरे पत्ते की चटनी**-पब मेड सेंट्रल द्वारा प्रकाशित डेटा के अनुसार धनिया की हरी पत्तियां एवं पुदीना विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट का एक अच्छा स्रोत होते हैं। इसके साथ ही इसमें मौजूद डाइटरी फाइबर पाचन ि या को संतुलित रखने में मदद करता हैं। वहीं इसमें अन्य सुपरफूड्स जैसे कि लहसुन और हरी मिर्च को ऐड करके इसके स्वाद के साथ-साथ न्यूट्रिएंट्स को भी बढ़ा सकते हैं। **इस तरह तैयार करें यह स्वादिष्ट चटनी**-एक ब्लेंडर में पुदीना और धनिया के पत्ते, लहसुन की कलियां, हरी मिर्च डालकर हल्का सा पानी मिलाएं और इसे ब्लेंड करते हुए एक स्मूथ पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को किसी बाउल में निकाल लें और स्वादानुसार नमक मिला लें। आपकी हेल्दी एंड टेस्टी चटनी बनकर तैयार है। इसे अपने मन पसंदीदा फूड्स के साथ सर्व कर सकती हैं। **2. कोकोनट चटनी**-नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन द्वारा कोकोनट को लेकर प्रकाशित एक डेटा के अनुसार नारियल में फाइबर, कॉपर, मैंगनीज, आयरन, सेलेनियम और फास्फोरस की पर्याप्त मात्रा मौजूद होती है। यह सभी पोषक तत्व सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही कोकोनट का पानी स्किन हेल्थ के लिए भी काफी अच्छा होता है। नारियल की चटनी को 1 दिन से ज्यादा प्रयोग में न लाएं। **इन स्टेप्स के साथ तैयार करें कोकोनट की हेल्दी चटनी**-सबसे पहले एक मिक्सचर में कसा हुआ नारियल, हरी मिर्च, अदरक, भुनी हुई चना दाल और आवश्यकतानुसार पानी डालकर एक गाढ़ा और स्मूथ पेस्ट तैयार करें।तैयार किए गए पोस्ट को एक बाउल में निकाल लें, और उसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं। अब तड़का लगाने के लिए एक पैन को मध्यम आंच पर गर्म होने दें। अब सरसों का तेल डालें और जब यह गर्म हो जाए तो, उसमें लाल मिर्च, कड़ी पत्ता और सरसों के दाने डालकर इसे लाल होने तक भूने।फिर इसे चटनी के ऊपर डाल कर अच्छी तरह मिला लें। आपकी स्वादिष्ट चटनी बनकर तैयार है।

चौमूं के चारों दरवाजों की मरम्मत को लेकर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

चौमूं (हमारा वतन)। जनरल फैंसी फुटवियर स्टेशनरी व्यापार मंडल चौमूं के अध्यक्ष पवन सैनी के नेतृत्व में शहर वासियों ने चौमूं शहर के चारों दरवाजों की मरम्मत करवाने हेतु नगर परिषद के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि चौमूं शहर के चारों दरवाजे वर्षों से स्थित हैं। इन चारों दरवाजों के कारण ही पूरे चौमूं शहर की पहचान है। कई वर्षों से इन दरवाजों की मरम्मत नहीं हुई है, जिसके कारण गेट टूटे हुए हैं, कुछ को हटा दिया गया है। साथ ही छतों से पानी टपकने लगा है और प्लास्टर भी उतरने लगा है। बावड़ी गेट में नाली भी नहीं बनी हुई,जिसके कारण रोड पर पानी बहता रहता है। इससे आमजन को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ज्ञापन में समस्या का जल्द ही समाधान करने की अपील की। इस दौरान व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष अशोक सिंगोदिया, हरीश नेनवानी, कैलाश सामरवाल,रजत अग्रवाल, आदित्येंद्र शर्मा सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

सुर वीणा संगीत संस्था का आग़ाज़ 11 जुलाई को

जयपुर (हमारा वतन)। सुर वीणा संगीत संस्था का पहला रंगारंग संगीत कार्यक्रम 11 जुलाई को जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में आयोजित किया जा रहा है। सुर वीणा समूह के संस्थापक तुलसीदास व नीलम हरपलानी ने बताया कि कार्यक्रम शाम 5:30 से रात्रि 9 बजे तक होगा और श्रोताओं का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

कार्यक्रम कराओके ट्रैक पर आधारित होगा। शाम 5 से 5:30 बजे के बीच सभागार में पहुंचने वाले श्रोताओं के लिए चाय व अल्पाहार की व्यवस्था भी रहेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम आमतौर पर होने वाले संगीत कार्यक्रमों से हट कर कुछ अलग विशिष्टता लिए होगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्कॉर्पियंस डांस ट्रुप द्वारा विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियां होंगी।

कार्यक्रम में विकास चंदेलिया, रजनीश, श्वेता, योगेश टांक, भानु प्रकाश बंसल, रमेश नज़कानी, नंदिता बैस, मधु नायक, भावना शर्मा, सुरेंद्र शारदा, रीना बरारा,वीनू मित्तल जैसे शहर के नामचीन गायक-गायिकाएं अपनी प्रस्तुति देंगे। साउंड की व्यवस्था बिजलानी स्टूडियो के संस्थापक अनिल बिजलानी के निर्देशन में दिनेश पाराशर संभालेंगे।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

भारत-अमेरिका समझौते की अड़चनें

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दावा किया है कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता लगभग अंतिम रूप ले चुका है, सिर्फ एक प्रतिशत बातचीत बाकी है। इसके बावजूद ऐसा लग रहा है कि इस बाबत दोनों में अब भी गतिरोध बना हुआ है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर), जो समझौते को अंतिम रूप देने के लिए कई दिनों से भारत में थे, इस काम को अंजाम तक पहुंचाए बिना वापस अमेरिका लौट चुके हैं। यह बात मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। गौरतलब है, फरवरी में भारत और अमेरिका ने व्यापार समझौते के मसौदे यानी 'फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर किए थे। उसके बाद भारतीय पक्ष द्वारा जो बातें रखी गई थीं, अमेरिकी प्रशासन द्वारा उनके उलट बयानबाजी के कारण भारी असमंजस की स्थिति बन गई थी। विपक्षी दलों और मीडिया द्वारा सरकार को कठघरे में खड़ा किया जा रहा था। सबसे पहली

राम गोपाल सैनी

बात यह थी कि अमेरिकी पक्ष बारंबार कहे जा रहा था कि भारत ने रूस से तेल न खरीदने का वादा किया है, जबकि मसौदे में इसका जिक्र तक नहीं था। इसके अलावा अमेरिकी यह दावा भी कर रहे थे कि भारत ने यह प्रतिबद्धता जताई है कि अगले पांच वर्षों में वह अमेरिका से 500 अरब डॉलर के साजो-सामान खरीदेगा, जबकि मसौदे में 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने का केवल इरादा व्यक्त किया गया था। इसके अलावा कृषि उत्पादों के आयात के संदर्भ में भी मसौदे से इतर कई बातों का जिक्र अमेरिकी पक्ष कर रहा था। राजनयिक रिश्तों को ध्यान में रखते हुए हर बात का खंडन करना भारत सरकार के लिए उचित नहीं होता, हालांकि सरकार द्वारा समय-समय पर अपना पक्ष दोहराया जाता रहा। फिर भी, यह आलोचना होती रही कि भारत सरकार देशहित के खिलाफ अमेरिका के समक्ष झुक रही है।भारत व अमेरिका ने जब मसौदे पर हस्ताक्षर किए थे, उसके बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए जा रहे मनमर्जी के टैरिफ को असंवैधानिक घोषित कर दिया। इसलिए व्यापार विशेषज्ञों का यह मानना है कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय के आलोक में भारत-अमेरिका व्यापार मसौदे पर सहमति का कोई मतलब नहीं रह जाता। जब फरवरी में दोनों देशों ने व्यापार समझौते के लिए अंतरिम रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए थे, तब स्थिति यह थी कि भारत पर टैरिफ का बोझ घटकर लगभग 18 प्रतिशत होने की उम्मीद थी, जबकि कई प्रतिस्पर्द्धी देशों को अपेक्षाकृत ज्यादा टैरिफ दरों का सामना करना पड़ता। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यातकों को फायदा मिलता। इसलिए इस संबंध में दोबारा वार्ता करना जरूरी हो जाता है।यह तर्क काफी प्रभावशाली लगता है। इससे भारत के सामने एक सवाल यह है कि जिन फायदों की पक्की गारंटी अमेरिका अब नहीं दे सकता, उस पर भरोसा कैसे किया जाए? भारत के नजरिये से विचार करें, तो प्रस्तावित व्यापार समझौता एक संतुलित व्यापार समझौते के बजाय एकतरफा मार्केट-एक्सेस व्यवस्था जैसा ज्यादा लग रहा है। यही कारण है कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता लगभग तैयार है, मगर इस पर हस्ताक्षर तब तक नहीं हो सकते, जब तक भारत को अन्य देशों की तुलना में प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ नहीं होगा।परिणामस्वरूप, फरवरी की रूपरेखा के पीछे का आर्थिक आधार बदल गया है। जिन मान्यताओं के आधार पर यह रूपरेखा तैयार की गई थी, वे अब सही नहीं हैं। इसलिए, बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार शर्तों पर फिर से बातचीत नहीं की जाती, तब तक अंतरिम समझौते के लिए बनी पिछली रूपरेखा को बेकार माना जा सकता है, क्योंकि इससे भारत को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है।फरवरी 2026 के फ्रेमवर्क समझौते के बावजूद कुछ मुद्दे अनसुलझे रह गए थे।

SK RISEHUB SEVA TRUST INDIA ने नई ग्राम सेविकाओं को सौंपा कार्यभार

जयपुर (हमारा वतन)। SK RISEHUB SEVA TRUST (INDIA) के राष्ट्रीय कार्यालय, जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में दौसा एवं उदयपुर जिले की नव-नियुक्त ग्राम सेविकाओं को संस्था के अधिकृत आईडी कार्ड, कार्य फाइल एवं आवश्यक दस्तावेज़ प्रदान कर औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा गया।

कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष संजय शर्मा, संस्था की सचिव भगवती देवी, संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

इस दौरान लच्छी देवी पत्नी नरेन्द्र कुमार सैनी, ग्राम अरनिया, जिला दौसा, सोनम बाई पत्नी चन्द्रप्रकाश सैनी, ग्राम अरनिया, जिला दौसा, कांता देवी पत्नी बंसीलाल मीणा, ग्राम थापड़ावली, पंचायत भरदा, तहसील ऋषभदेव, जिला उदयपुर, कुमारी उर्मिला मीणा पुत्री मोहनलाल मीणा, ग्राम थापड़ावली, पंचायत पांडेरी, जिला उदयपुर ने कार्यभार संभाला।

इस अवसर पर मोना मेहतर, ग्राम कन्हारिया चौबीसिया, जिला चित्तौड़गढ़ ने

संस्था के प्रस्तावित वृद्धाश्रम निर्माण हेतु अपनी सामर्थ्य अनुसार सहयोग राशि प्रदान की।

मोना ने कहा कि मेरी क्षमता भले ही सीमित हो, लेकिन सेवा का भाव असीमित है। मैं सभी सक्षम लोगों से निवेदन करती हूँ कि वे भी ऐसे पुण्य कार्यों में आगे आएँ। छोटा-सा सहयोग भी किसी ज़रूरतमंद के जीवन में बड़ा सहारा बन सकता है।

अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि SK RISEHUB SEVA TRUST (INDIA) का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार नहीं, बल्कि हर गाँव तक सेवा, शिक्षा, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और मानवता का संदेश पहुँचाना है। संस्था की सचिव भगवती देवी ने कहा कि सेवा का हर छोटा प्रयास समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। संस्था विश्वास, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निरंतर जनसेवा के कार्य कर रही है।

सुंदरियाल प्रोडक्शन ने किया वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक सोनी को सम्मानित

देहरादून (हमारा वतन)। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में सामाजिक उद्यमी स्वर्गीय विजय सुंदरियाल की स्मृति में टूरिस्ट संदेश फाउंडेशन द्वारा विचार गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें पहाड़ की मिट्टी से उपजा, आत्मनिर्भर के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालो को सम्मानित किया गया।

इसी पंक्ति में शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन, वृहद पौधारोपण तथा पौधा उपहार में भेंट करने की परम्परा के सराहनीय पहल के लिए पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी को सुंदरियाल प्रोडक्शन ने स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

डॉ. सोनी को यह सम्मान लैंसडाउन विधायक महंत दिलीप रावत, पद्मश्री कल्याय सिंह रावत मैती, चारु तिवारी , धात संस्था के संस्थापक लोकेश नवानी ने

संदेश फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया तथा महंत दिलीप रावत, पद्मश्री कल्याय सिंह रावत, चारु तिवारी, संयुक्त रूप से प्रदान किया।

वृक्षमित्र डॉ. सोनी ने सम्मानित होने पर सुंदरियाल प्रोडक्शन व टूरिस्ट लोकेश नवानी व सुभाष नौटियाल को तुलसी का एक एक पौधा उपहार में भेंट किया।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फलैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

रामचंद्र यादव को मिला भारत-भूटान शांति रत्न अवॉर्ड

जयपुर (हमारा वतन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भूटान देश की राजधानी थिंपू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं भारत-भूटान शांति रत्न अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सभी भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने योग किया और बाद में भूटान सरकार के वित्त मंत्री लोकनाथ शर्मा एवं लोकसभा अध्यक्ष दासों ऋषुराज चेटरी और भूटान सरकार के सांसद सहित अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति में भारत से आए हुए लोगों को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मनित किया गया।

इस दौरान चौमूं विधानसभा के घिनोई ग्राम पंचायत के नई ढाणी दुग्ध समिति के सचिव पशुधन सहायक रामचंद्र यादव का साफा पहनाकर, प्रशस्ति पत्र देकर और मेडल पहनाकर सम्मान किया गया। यादव को यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय अवार्ड मिला है।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।